



109340 - क्या कुर्बानी करने वाला कुर्बानी का जानवर जबह करते समय अपनी जुबान से नीयत के शब्द का उच्चारण करेगा ?

---

प्रश्न

कुर्बानी करनेवाले व्यक्ति का कुर्बानी का जानवर जबह करते समय यह कहना कि: “हाज़ेही अन फलाँ” (यह फलाँ की ओर से है), अर्थात् कुर्बानी करनेवाले का नाम लेना, क्या यह जुबान से नीयत करना समझा जाएगा ?

विस्तृत उत्तर

हर प्रकार की प्रशंसा और गुणगान केवल अल्लाह तआला के लिए योग्य है।

हर प्रकार की प्रशंसा और गुणगान केवल अल्लाह के लिए योग्य है।

यह जुबान से नीयत का उच्चारण करने में शामिल नहीं है, क्योंकि कुर्बानी करने वाला व्यक्ति जब यह कहता है कि: “हाज़ेही अन्नी व अन अह्ले बैती” (यह (कुर्बानी) मेरी ओर से और मेरे घर वालों की ओर से है), तो इन शब्दों के द्वारा वह अपने हृदय की बात की जुबान से सूचना देता है। वह यह नहीं कहता है कि: हे अल्लाह! मैं कुर्बानी करना चाहता हूँ, जैसे वह व्यक्ति करता है जो नीयत का उच्चारण करना चाहता है, बल्कि वह केवल उस चीज़ को प्रकट करता है जो उसके दिल में है। अन्यथा नीयत तो उसी से समय होती है जब वह कुर्बानी के जानवर को लाकर उसे लिटाता और जबह करता है, तो यह उसकी नीयत हो जाती है।” समाप्त हुआ।